



Sapna

04 Aug 1988

05:15 AM

Indore

Model: Web-LalKitabRatna

Order No: 121227501

लालकिताब जन्मपत्रिका

लाल किताब की इस जन्मपत्रिका में जन्मकुण्डली, दशा, ग्रह स्पष्ट, लाल किताब कुण्डली व वर्ष कुण्डली के साथ यह भी बताया गया है कि आपका एवं परिवार का स्वास्थ्य कैसा रहेगा एवं उनका आपके प्रति व्यवहार कैसा रहेगा। इसमें रत्न कौन सा धारण करें व अन्य उपायों के साथ ग्रह फल, दशा फल व वर्षफल आदि भी दिए गए हैं। प्रयत्न किया गया है कि जातक को जिस प्रकार की जानकारी प्राप्त करने की अभिलाषा रहती है वह पूरी तरह दी जा सके।

लालकिताब जन्मपत्रिका को ध्यान से पढ़ने पर आपको यह मालूम होगा कि आपके साथ क्या घटना घटित हो रही है। ग्रहों के आधार पर यह भी बताया गया है कि अमुक जातक को पूजा-पाठ करना चाहिए या नहीं। वर्षफल में जिन सावधानियों को बरतने के लिये कहा गया है, उन सावधानियों के प्रति आजीवन सतर्क रहें। जो बातें आपके लिये शुभ लिखी गयी है, उनको अपने जीवन में अवश्य अपनाएं एवं जिन बातों को आपके लिये अशुभ लिखा गया है उन बातों को निश्चय कर हमेशा के लिये त्याग दें।

इस लालकिताब में व्यवसाय, कारोबार, नौकरी आदि के बारे में भी बतलाया गया है। इनसे संबंधित आपके लिये क्या लाभदायक रहेगा और क्या हानिकारक रहेगा इसकी विशेष जानकारी दी गयी है। जीवन में अधिक सफलता प्राप्त करने के लिए लालकिताब के उपाय जिस समय तथा जिन आयु में करने के लिए कहे गये हैं उन्हीं आयु में ही करें।

लालकिताब में जीवन में आने वाली कठिनाईयों का समय भी दर्शाया गया है। जीवन में कब कहां और जीवन के किस मोड़ पर कौन सी परेशानी आ सकती है यह तो बताया ही गया है साथ ही इनसे बचने के उपाय भी बताये हैं। यदि आपका समय अच्छा चल रहा है और आप अपने लिए दिये गये उपाय कर रहे हैं तो आपके भाग्य का फल कई गुना बढ़ जायेगा और यदि प्रतिकूल समय में आप यह उपाय कर रहे हैं तो आपका बुरा समय धीरे-धीरे नष्ट हो जायेगा एवं सफलता आपके कदमों को चूमेगी।

सभी जातकों से अनुरोध है कि इस लालकिताब जन्मपत्रिका को अपने जीवन में केवल मार्गदर्शक के रूप में ही उपयोग करें व इसके अक्षराक्षर पर निर्भर न रहें। इस पत्रिका में हमने अनेक शास्त्रों की सहायता लेकर आपके लिए फलादेश दिए हैं लेकिन विभिन्न कारणवश इसकी कोई गारंटी नहीं ली जा सकती कि यह पूर्ण रूपेण सत्य ही हो। अतः जातक इस पत्रिका पर आधारित निर्णय के लिए स्वयं ही जिम्मेदार होंगे।

लिंग _____: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि _____: 3-04/08/1988
दिन _____: बुध-गुरुवार
जन्म समय _____: 05:15:00 घंटे
इष्ट _____: 58:11:08 घटी
स्थान _____: Indore
राज्य _____: Madhya Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 22:42:00 उत्तर
रेखांश _____: 75:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:26:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 04:48:36 घंटे
वेलान्तर _____: -00:06:08 घंटे
साम्पातिक काल _____: 01:39:40 घंटे
सूर्योदय _____: 05:58:32 घंटे
सूर्यास्त _____: 19:06:09 घंटे
दिनमान _____: 13:07:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: वर्षा
सूर्य के अंश _____: 18:07:27 कर्क
लग्न के अंश _____: 07:40:15 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी _____: मेष - मंगल
नक्षत्र-चरण _____: अश्विनी - 3
नक्षत्र स्वामी _____: केतु
योग _____: शूल
करण _____: बव
गण _____: देव
योनि _____: अश्व
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: चतुष्पाद
वर्ग _____: सिंह
युँजा _____: पूर्व
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: चो-चोखी
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: सिंह

पंचांग

दादा का नाम _____ :
पिता का नाम _____ :
माता का नाम _____ :
जाति _____ :
गोत्र _____ :

कैलेंडर	वर्ष	मास	तिथि/प्रविष्टे
राष्ट्रीय	शक : 1910	श्रावण	13
पंजाबी	संवत : 2045	श्रावण	20
बंगाली	सन् : 1395	श्रावण	19
तमिल	संवत : 2045	आदी	20
केरल	कोल्लम : 1163	कर्कदम	20
नेपाली	संवत : 2045	श्रावण	20
चैत्रादि	संवत : 2045	श्रावण	कृष्ण 7
कार्तिकादि	संवत : 2045	आषाढ	कृष्ण 7

पंचांग

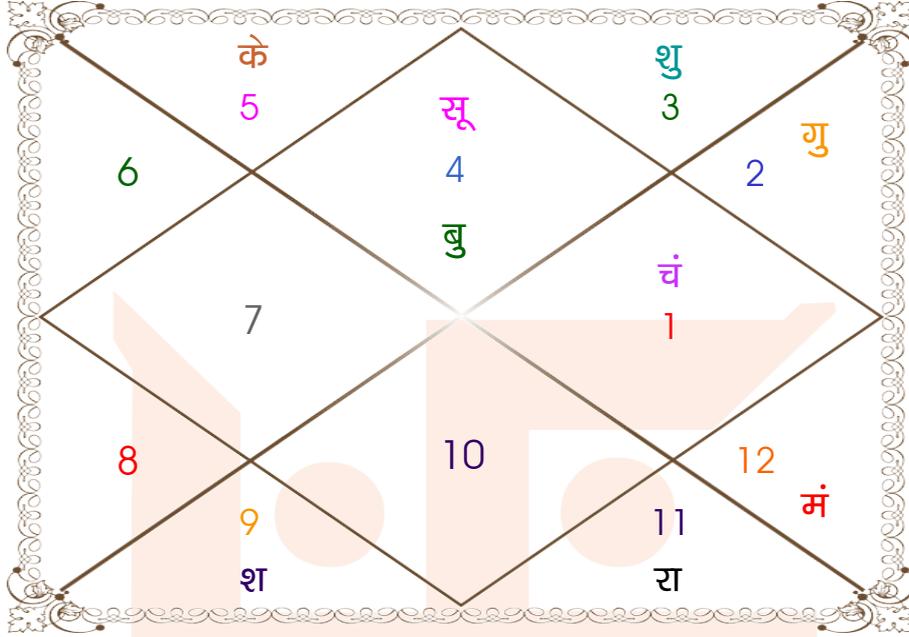
सूर्योदय कालीन तिथि _____ : 6
तिथि समाप्ति काल _____ : 14:15:48
जन्म तिथि _____ : 7
सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____ : रेवती
नक्षत्र समाप्ति काल _____ : 15:04:19 घंटे
जन्म योग _____ : अश्विनी
सूर्योदय कालीन योग _____ : धृति
योग समाप्ति काल _____ : 13:38:46 घंटे
जन्म योग _____ : शूल
सूर्योदय कालीन करण _____ : वणिज
करण समाप्ति काल _____ : 14:15:48 घंटे
जन्म करण _____ : बव
भयात _____ : 35:26:41
भभोग _____ : 57:39:04
भोग्य दशा काल _____ : केतु 2 वर्ष 8 मा 3 दि

घात चक्र

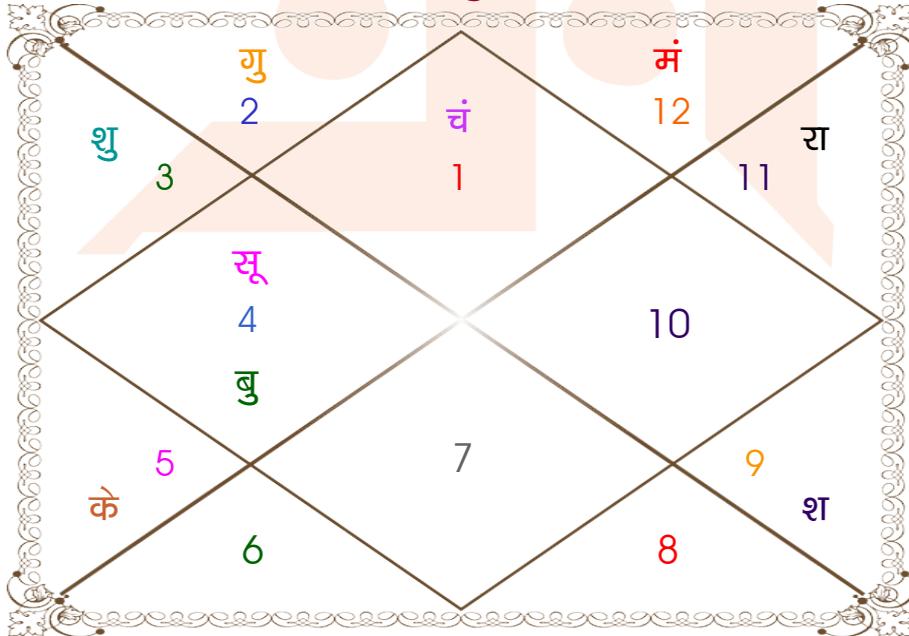
मास _____ : कार्तिक
तिथि _____ : 1-6-11
दिन _____ : रविवार
नक्षत्र _____ : मघा
योग _____ : विष्कुम्भ
करण _____ : बव
प्रहर _____ : 1
वर्ग _____ : मृग
लग्न _____ : मेष
सूर्य _____ : कर्क
चन्द्र _____ : मेष
मंगल _____ : सिंह
बुध _____ : वृष
गुरु _____ : कन्या
शुक्र _____ : तुला
शनि _____ : मिथुन
राहु _____ : वृश्चिक

जन्म कुण्डली

लग्न कुण्डली



चन्द्र कुण्डली



लग्न कुण्डली और दशा

लग्न कुंडली

मं	चं	गु	शु
रा			बु ल सू
			के
श			

लग्न कुंडली

गु	चं	मं
शु		रा
बु ल सू		
के		श

विंशोत्तरी
केतु 2वर्ष 8मा 3दि
केतु

04/08/1988

08/04/2104

केतु	08/04/1991
शुक्र	08/04/2011
सूर्य	08/04/2017
चन्द्र	08/04/2027
मंगल	08/04/2034
राहु	07/04/2052
गुरु	07/04/2068
शनि	08/04/2087
बुध	08/04/2104

योगिनी

भामरी 1वर्ष 6मा 10दि
भामरी

13/02/2022

13/02/2026

भामरी	26/07/2022
भद्रिका	13/02/2023
उल्का	15/10/2023
सिद्धा	25/07/2024
संकटा	15/06/2025
मंगला	25/07/2025
पिंगला	14/10/2025
धान्या	13/02/2026

श्री चंचला ज्योतिष एवं अनुष्ठान केंद्र
बी-350 गिरिराज रतन कॉलोनी उज्जैन मध्य प्रदेश
+919340201506, 7024210124
कार्तिक जोशी Panditkartikj@gmail.com

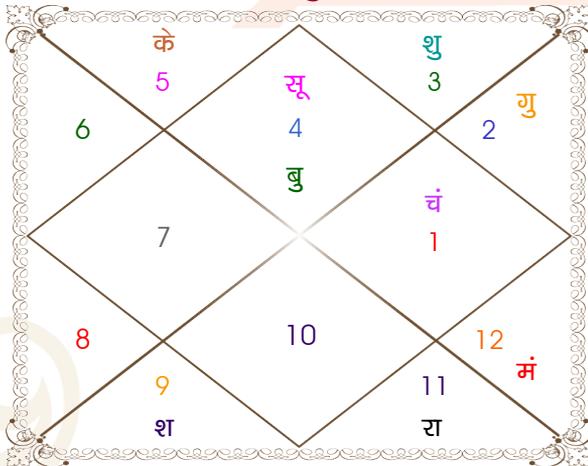
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	कर्क	07:40:15	---	--	--	--	नेक
सूर्य	कर्क	18:07:27	मित्र राशि	--	हाँ	--	नेक
चन्द्र	मेष	08:14:10	सम राशि	--	--	--	मन्दा
मंगल	मीन	14:22:03	मित्र राशि	--	--	--	नेक
बुध	कर्क	19:03:46	शत्रु राशि	--	हाँ	--	नेक
गुरु	वृष	08:22:08	शत्रु राशि	--	--	--	मन्दा
शुक्र	मिथुन	03:56:25	मित्र राशि	--	--	--	मन्दा
शनि	व धनु	02:46:43	सम राशि	--	हाँ	--	मन्दा
राहु	कुम्भ	20:49:36	मित्र राशि	--	--	--	मन्दा
केतु	सिंह	20:49:36	शत्रु राशि	--	--	--	नेक

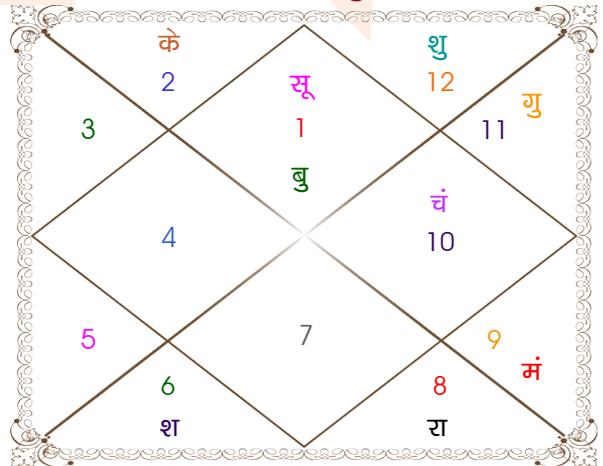
भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	--	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	--	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	हाँ	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	हाँ	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	हाँ	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	--	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	--	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	--	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	--	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	--	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	--	शुक्र,केतु	बुध,राहु

लग्न कुंडली



लालकिताब कुंडली



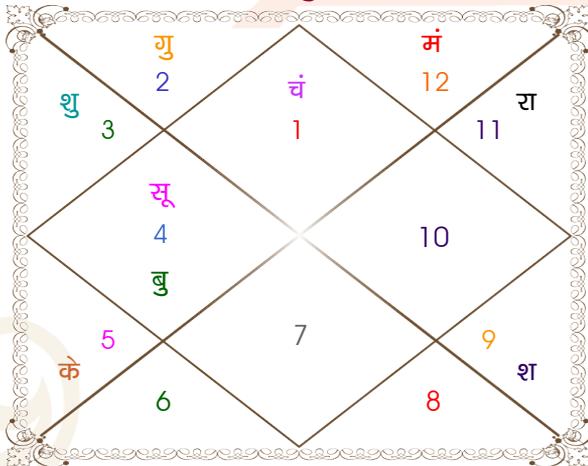
मैत्रीचक्र सारिणी

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
मंगल	मित्र	मित्र	---	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
बुध	मित्र	सम	शत्रु	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	सम	---	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु
शुक्र	सम	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	---	मित्र	सम	मित्र
शनि	सम	सम	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	---	मित्र	शत्रु
राहु	सम	शत्रु	सम	मित्र	शत्रु	सम	मित्र	---	मित्र
केतु	शत्रु	सम	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	---

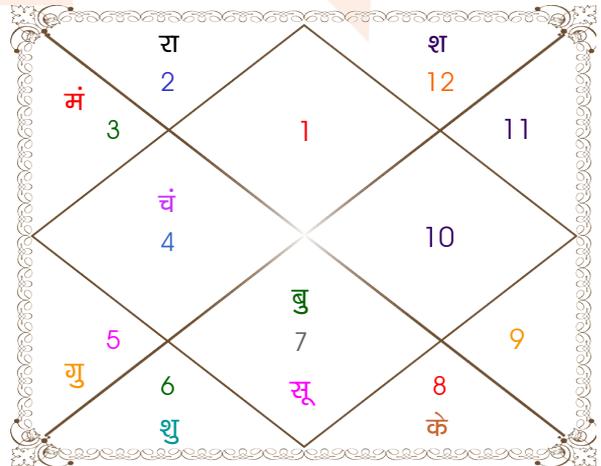
ग्रह/राशि फल

ग्रह	वर्णन	फल
सूर्य	सतयुगी राजा, हाकिम ।	--
चंद्र	आक मदार का दूध, जहरीला पानी ।	--
मंगल	बुजुर्गों से ही चलता शाही तख्त ।	--
बुध	राजा या हाकिम मगर खुदगर्ज ।	--
गुरु	खजूर के पेड़ की भांति अकेला ।	ग्रह
शुक्र	कामधेनु गाय, लक्ष्मी ।	--
शनि	लेख की स्याही एक गुणां मंदा ।	राशि
राहु	नकारा कूच, मौत का मालिक ।	--
केतु	अच्छा हुकमरान और मुसाफिर ।	ग्रह

चन्द्र कुंडली



लालकिताब चन्द्र



लालकिताब दशा

शनि 6 वर्ष 04/08/1988 04/08/1994	राहु 6 वर्ष 04/08/1994 04/08/2000	केतु 3 वर्ष 04/08/2000 04/08/2003	गुरु 6 वर्ष 04/08/2003 04/08/2009	सूर्य 2 वर्ष 04/08/2009 04/08/2011
राहु 04/08/1990 बुध 04/08/1992 शनि 04/08/1994	मंगल 04/08/1996 केतु 04/08/1998 राहु 04/08/2000	शनि 04/08/2001 राहु 04/08/2002 केतु 04/08/2003	केतु 04/08/2005 गुरु 04/08/2007 सूर्य 04/08/2009	सूर्य 04/04/2010 चंद्र 04/12/2010 मंगल 04/08/2011
चंद्र 1 वर्ष 04/08/2011 04/08/2012	शुक्र 3 वर्ष 04/08/2012 04/08/2015	मंगल 6 वर्ष 04/08/2015 04/08/2021	बुध 2 वर्ष 04/08/2021 04/08/2023	शनि 6 वर्ष 04/08/2023 04/08/2029
गुरु 04/12/2011 सूर्य 04/04/2012 चंद्र 04/08/2012	मंगल 04/08/2013 शुक्र 04/08/2014 बुध 04/08/2015	मंगल 04/08/2017 शनि 04/08/2019 शुक्र 04/08/2021	चंद्र 04/04/2022 मंगल 04/12/2022 गुरु 04/08/2023	राहु 04/08/2025 बुध 04/08/2027 शनि 04/08/2029
राहु 6 वर्ष 04/08/2029 04/08/2035	केतु 3 वर्ष 04/08/2035 04/08/2038	गुरु 6 वर्ष 04/08/2038 04/08/2044	सूर्य 2 वर्ष 04/08/2044 04/08/2046	चंद्र 1 वर्ष 04/08/2046 04/08/2047
मंगल 04/08/2031 केतु 04/08/2033 राहु 04/08/2035	शनि 04/08/2036 राहु 04/08/2037 केतु 04/08/2038	केतु 04/08/2040 गुरु 04/08/2042 सूर्य 04/08/2044	सूर्य 04/04/2045 चंद्र 04/12/2045 मंगल 04/08/2046	गुरु 04/12/2046 सूर्य 05/04/2047 चंद्र 04/08/2047
शुक्र 3 वर्ष 04/08/2047 04/08/2050	मंगल 6 वर्ष 04/08/2050 04/08/2056	बुध 2 वर्ष 04/08/2056 04/08/2058	शनि 6 वर्ष 04/08/2058 04/08/2064	राहु 6 वर्ष 04/08/2064 04/08/2070
मंगल 04/08/2048 शुक्र 04/08/2049 बुध 04/08/2050	मंगल 04/08/2052 शनि 04/08/2054 शुक्र 04/08/2056	चंद्र 04/04/2057 मंगल 04/12/2057 गुरु 04/08/2058	राहु 04/08/2060 बुध 04/08/2062 शनि 04/08/2064	मंगल 04/08/2066 केतु 04/08/2068 राहु 04/08/2070
केतु 3 वर्ष 04/08/2070 04/08/2073	गुरु 6 वर्ष 04/08/2073 04/08/2079	सूर्य 2 वर्ष 04/08/2079 04/08/2081	चंद्र 1 वर्ष 04/08/2081 04/08/2082	शुक्र 3 वर्ष 04/08/2082 04/08/2085
शनि 04/08/2071 राहु 04/08/2072 केतु 04/08/2073	केतु 04/08/2075 गुरु 04/08/2077 सूर्य 04/08/2079	सूर्य 04/04/2080 चंद्र 03/12/2080 मंगल 04/08/2081	गुरु 04/12/2081 सूर्य 04/04/2082 चंद्र 04/08/2082	मंगल 04/08/2083 शुक्र 04/08/2084 बुध 04/08/2085
मंगल 6 वर्ष 04/08/2085 04/08/2091	बुध 2 वर्ष 04/08/2091 04/08/2093	बुध 2 वर्ष 04/08/2091 04/08/2093	बुध 2 वर्ष 04/08/2091 04/08/2093	बुध 2 वर्ष 04/08/2091 04/08/2093
मंगल 04/08/2087 शनि 04/08/2089 शुक्र 04/08/2091	चंद्र 04/04/2092 मंगल 03/12/2092 गुरु 04/08/2093	चंद्र 04/04/2092 मंगल 03/12/2092 गुरु 04/08/2093	चंद्र 04/04/2092 मंगल 03/12/2092 गुरु 04/08/2093	चंद्र 04/04/2092 मंगल 03/12/2092 गुरु 04/08/2093

नोट : 35 साला लाल किताब दशा लगभग तीन चक्र के लिए दी गई है।
उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

टेवे की श्रेणी

रतांध ग्रह/अंधा टेवा

लाल किताब के अनुसार रतांध ग्रह को नहोराता के ग्रह भी कहते हैं। ये ग्रह दिन में देखते हैं, परंतु यही ग्रह रात्रि में अंधे हो जाते हैं। ये ग्रह अर्द्ध-अंधे कहे जाते हैं अर्थात् चौथे खाने में सूर्य और सातवें खाने में शनि हो तो वह टेवा आधा अंधा टेवा कहलाएगा।

इस प्रकार का टेवा जातक के व्यावसायिक जीवन में, मन की शांति के लिए और गृहस्थ सुख के लिए काफी हद तक अशुभ असर पड़ता है। सातवें खाने में बैठा शनि बहुत शक्तिशाली हो जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सप्तम खाने के शनि को दिग्बल प्राप्त हो जाता है। इस भाव का शनि अपनी दसवीं संपूर्ण दृष्टि से सुख स्थान में स्थित सभी ग्रहों को प्रभावित करता है। शत्रु दृष्टि से सूर्य के शुभ फल अशुभता में परिणत हो जाएगा। चतुर्थ स्थान से सूर्य की सप्तम दृष्टि कर्म भाव पर पड़ कर कर्म फल को अशुभ कर देगा। सभी प्रकार की मन की शांति को पूर्ण रूपेण कम कर सभी प्रकार के सुखों को नष्ट कर देगा। कुंडली पर अशुभ प्रभाव देने वाला शनि और उसकी दृष्टि है। अतः सूर्य के उपाय की उपयोगिता नहीं। मात्र शनि की अशुभता नष्ट करने के लिए शनि का उपाय करना चाहिए।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी रतांध ग्रह से प्रभावित नहीं है।

धर्मी टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ धर्मी टेवा होते हैं। धर्मी टेवा के अशुभ ग्रहों का प्रभाव बहुत हद तक कम हो जाता है। जिस टेवा में बृहस्पति के साथ शनि किसी भी घर में अर्थात् शुभ घर में स्थित हो तो ऐसा टेवा धर्मी टेवा हो जाता है। धर्मी टेवा वाला जातक मुश्किल या कष्ट के समय, जब उसकी सभी राहें अवरुद्ध हो जाती हैं उस समय ईश्वर अपने हाथों से उसकी सहायता करते हैं। शनि ग्रह मुश्किलों का एवं हमारे भाग्य का कारक भी लाल किताब के अनुसार होता है। टेवा में बृहस्पति के साथ अथवा बृहस्पति की राशि में शनि बैठ जाए तो शनि के स्वभाव में शुभता आ जाती है। बृहस्पति और शनि का संबंध बहुत से दोषों को दूर कर देता है। 6ठें, 9वें, 11वें एवं 12वें घरों में शनि बृहस्पति का संयोग होना बड़ी समस्याओं का शमन एवं जीवन के उतार-चढ़ाव को नियंत्रित कर देता है। इसके प्रभाव से (कुंडली) टेवा की अशुभता समाप्त और सारी विपदाओं का अंत हो जाता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी धर्मी टेवा नहीं है।

नाबालिग टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ हालातों में बारह साल की आयु तक कुछ नाबालिग

टेवे होते हैं। उस दशा में बारह साल तक के बालक की कुंडली का प्रभाव नहीं उसके पिछले जन्म के भाग्य का असर ही प्रभावी रहता है। नाबालिग टेवा उसको कहते हैं जबकि टेवा 1, 4, 7 और 10 खाने अर्थात् केंद्र स्थान खाली हो अथवा सिर्फ पापी ग्रह शनि, राहु और केतु ही हो या अकेला बुध ही हो तो वह नाबालिग ग्रहों का टेवा होगा।

उसकी किस्मत का हाल 12 साल तक शक्की होगा।

लाल किताब के अनुसार नाबालिग टेवा वाले जातक पर बारह वर्षों तक प्रत्येक वर्ष एक-एक ग्रह का प्रभाव निम्नरूपेण पड़ा करता है। जीवन पर पड़ने वाले दुषित प्रभाव की अनुकूलता हेतु निम्नांकित भाव स्थित ग्रह का उपाय करना चाहिए।

1. उम्र के पहले साल में सातवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
2. उम्र के दूसरे साल में चौथे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
3. उम्र के तीसरे साल में नौवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
4. उम्र के चौथे साल में दसवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
5. उम्र के पांचवें साल में ग्यारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
6. उम्र के छठे साल में तीसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
7. उम्र के सातवें साल में दूसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
8. उम्र के आठवें साल में पांचवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
9. उम्र के नवमें साल में छठे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
10. उम्र के दसवें साल में बारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
11. उम्र के ग्यारहवें साल में पहले घर के ग्रह का असर पड़ता है।
12. उम्र के बारहवें साल में आठवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्री नाबालिग ग्रहों का टेवा नहीं है।

लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उद्धृत किए जाते हैं।

स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्वऋण से मुक्त है।

मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते हैं। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का अपव्यय आदि अशुभ फल होते हैं।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता है। मातृ ऋण वाले जातक

के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी मातृऋण से मुक्त है।

पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी पारिवारिक ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध है (जैसे जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) सबसे बराबर-बराबर धन लेकर आपके शहर/गांव के चौक में बैठे कारीगर, हकीम/डाक्टर को उसका काम बढ़ाने के लिये वह धन दान स्वरूप दे दें।

कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्य आदि काम करना।

घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षात में घाटा हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी कन्या बहन के ऋण से मुक्त है।

पितृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतुतो का कलंक लगना आदि घटनाएं होती हैं।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी पितृऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन (एक-एक या पांच-पांच या दस-दस रुपये अधिक से अधिक जितने भी रुपये दे सकें) लेकर उसी दिन मंदिर में दान कर देना आदि।

स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का

उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात् दूसरा विवाह होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्त्री ऋण से मुक्त है।

निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिद्धियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी निर्दयी ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटे-बुआ, भाई का परिवार चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर सौ अलग-अलग स्थानों की मछलियों को खाना खिलाना चाहिए।

आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-ठगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालो की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी आजन्मकृत ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे एक-एक नारियल उसी दिन जल में प्रवाह करना चाहिए।

ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बिमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।

लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली के पहले खाने में सूर्य है। इसकी वजह से बाहर से मधुर स्वभाव परंतु अंदर से आग का शोला होगी। आपका चाल-चलन अच्छा होगा। आप तेजस्वी, प्रतापी, शत्रुहंता होंगी। आप में आत्मसिद्धि, मानसिक रूप से चिन्तित, मान-सम्मान से युक्त होंगी। सत्ता से लगाव, लेखा-जोखा के कार्य में संलग्न, सभी प्रकार की शिक्षा प्राप्त होंगी। आप विचारों की पक्की बुरे कार्यों से दूर रहने वाली, हर बात में पहल करने वाली, आक्रामक, मुंह तोड़ जवाब देने वाली तथा परिश्रमी होंगी। आप अपने पराक्रम से धन कमा कर धनी होंगी। आप दूसरों की सहायता करेंगी। आप ठोकरें खा-खाकर चमकेंगी। आपको सताने वाला नष्ट हो जाएगा। आपकी प्रसिद्धि बढ़ेगी। धार्मिक कार्य और परोपकार में धन लगाने से उन्नति और विद्य 1 में वृद्धि होगी। 24 वर्ष की आयु में विवाह शुभ रहेगा, संतान एवं पति का सुख मिलेगा, अच्छे कार्य में अगुवा रहेंगी। गरीबों की मदद्गार एवं क्रोधी होंगी। आप किसी बात को सुन कर फिर देख कर विश्वास करेंगी। सिर गंज पड़े तो धनवान होने का समय आयेगा, आपके स्वतंत्र विचार रहेंगे और यात्रा से लाभ मिलेगा। सरकारी विभाग में उच्चाधिकारी या सरकारी अधिकारियों से अच्छे संबंध होंगे और उनसे लाभ पा सकती हैं। आप जनता के लाभार्थ कार्य करेंगी।

यदि आपने जनता से दुर्व्यवहार किया या परिवार-कल्याण के कामों में विघ्न पैदा किये या मकान के अंत में अंधेरा कमरा रोशनी में बदला तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से शरीर की हड्डी में रोग, दिल की धड़कन के संबंध में प्रतिकूल फल मिलते हैं। क्रोध करने और दुर्वचन बोलने से रक्तचाप का रोग हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. मांस-मदिरा का प्रयोग न करें।
2. दिन के समय संभोग न करें।

उपाय :

1. पानी में चीनी डाल कर सूर्य को अर्घ्य दें।
2. मकान के अंत में अंधेरी कोठरी/कमरा बनायें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली में चंद्रमा दसवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप कुल की नैया पार लगायेंगी। आपको चीर-फाड़ के या सर्जिकल के सामान से अधिक लाभ होगा। आप चिकित्सक होकर भी डॉक्टर का काम नहीं करेंगी। यदि डाक्टर बन कर डाक्टर का कार्य करती हैं तो अपने पास से दवाई न दें। आपको माता-पिता/सास-ससुर का पूरा सुख मिलेगा। आपको

मकान और ससुराल वालों से लाभ मिलेगा। व्यापार में लाभ होगा।

यदि आप डाक्टर हैं और पास से रोगी को लिक्विड दवाई दी, समाज विरोधी कार्य किये, बड़े-बुजुर्गों का अपमान किया, रात के समय अपने मकान की नींव रखी तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से आपके प्रेमी या विधुर पुरुषों के कारण धन की बर्बादी होगी। आप अपने जीवन में धोखेबाज और तैरते को पानी में डुबाने वाली होंगी। आपको दुर्घटना का शिकार भी होना पड़ सकता है। किसी भी पुरुष के साथ नाजायज संबंध आपकी बर्बादी का कारण बन सकता है। आपका मां/सास से अच्छा सलूक नहीं रहेगा। दवाई के व्यापार से हानि होगी। आपको चोर-डाकू, जुआरी एवं शराबी लोगों से नुकसान हो सकता है। नौकरी-व्यापार में बार-बार तबदीली का योग है। आपकी माता/सास को 10 वर्ष बीमारी हो सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चोर-डाकू से संबंध न रखें।
2. सूर्यास्त के बाद दूध न पीयें।

उपाय :

1. दूध को फटा कर दूध का पानी पीयें (खराब सेहत के समय)
2. सूर्यास्त के बाद दूध न पीयें।

मंगल

आपकी जन्मकुंडली में नौवें खाने में मंगल पड़ा है। इसकी वजह से आप बड़ी ही भाग्यशाली हैं। आपको पैतृक संपत्ति का लाभ मिलेगा। आपकी 13-14 वर्ष की आयु में आपका पिता को बहुत बड़ा लाभ होगा। 28वें वर्ष की आयु में आप पूर्ण भाग्यशाली होंगी। आप एक योग्य प्रशासक होंगी। आपको धन कमाने का बहुत अच्छे अवसर मिलेंगे या अच्छी नौकरी या अच्छे व्यवसाय से धन इकट्ठा होगा। आपको परिवार के साथ रहना शुभ होगा। आपको भाई की पत्नी से लाभ होगा। बड़े भाई के साथ व्यवसाय करने से लाभ होगा। आपको होटल, मिठाई आदि के व्यवसाय से बहुत लाभ हो सकता है। आपको पैसे के लिए किसी के आगे हाथ नहीं फैलाना पड़ेगा। माता/सास की सेहत अच्छी रहेगी और उसका सुख भी प्राप्त होगा। आपको पैतृक संपत्ति मिलेगी। आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आपको सत्ता पक्ष से लाभ प्राप्त होगा। आपको धर्म-कर्म करते रहने से अच्छा फल मिलेगा। धर्म करने से तथा घर में उत्सव मनाने से भाग्य में वृद्धि होगी।

यदि आपने पिता/ससुर से झगड़ा किया या पिता/ससुर का विरोध किया, धर्म के खिलाफ काम किया, समाज विरोधी काम, भाई और भाई की पत्नी से झगड़ा किया तो आपका मंगल मंदा हो सकता है या किसी कारण वश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से आप कभी-कभी नास्तिकवाद की वकालत करेंगी। आप पर कोई बड़ा कलंक भी लग सकता है।

आपके धर्म के विरुद्ध आचरण करने से बदनामी हो सकती है। अगर आप परदेश में रहेंगी तो दुःखी रहेंगी। आपकी कितनी भी ताकत हो आपके पास बॉस का दर्जा हो आपको अपने से छोटे लोगों से मांग कर खाना पड़ेगा अर्थात् शेर को गीदड़ से मांग कर खाना पड़ेगा, ऐसी कहावत आप पर चरितार्थ होगी। सभा समाज में आपको अपनी गलतियों द्वारा तिरस्कृत होना पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. परदेश में रिहाइश न करें।
2. भाई/देवर से झगड़ा न करें।

उपाय :

1. भाई/देवर की पत्नी की सेवा करें।
2. लाल रंग का रुमाल पास रखें।

बुध

आपकी जन्म कुंडली के पहले खाने में बुध पड़ा है। इसकी वजह से आपको ज्योतिष विद्या से लगाव रहेगा और आप पूर्णरूपेण इस विषय की ज्ञाता भी होंगी। आपको लाभ विदेश यात्रा या विदेश व्यापार से रहेगा। शिल्पकला, दस्तकारी से भी लगाव रहेगा। आपकी बुद्धि भी तेज होगी। आप द्विस्वभावात्मक प्राणी हैं। आप पर दूसरों का असर तेजी से पड़ता है। दो शत्रुओं के मध्य रह कर भी सुरक्षित रहेंगी। फलस्वरूप आप अच्छे कार्य एवं अच्छी बुद्धि से प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेती हैं। आप सामर्थ्य और शक्तिशाली महिला की पक्षधर हो कर उसे शक्ति प्रदान करती हैं। भयातुर धीरे-धीरे चलने वाली, मधुरभाषिणी, आकर्षक व्यक्तित्व की, अनेक रूपों वाली हैं। आप बातचीत करना पसंद करती हैं। आप कल्पना जगत की प्राणी हैं। हर महिला को अपना बना लेने की कला विद्यमान है। आपकी ऊंची बातें भाग्य बनाने में सहायक हैं। आपके मुंह से निकली बुरी बात का असर पड़ता है। आप के अंदर आन्तरिक शक्ति है एवं काम कला में प्रवीण हैं। आप दूसरों की परवाह नहीं करती हैं, स्वार्थपरायण, अपनी प्रशंसा चाहने वाली हैं।

यदि आपने नेकी का रास्ता छोड़ बदी का रास्ता अपनाया, अण्डे खाये, राग गाने का शौक रखा, शराब पी और मांस-मछली खायी, अधर्म के काम किये या जादू-टोना वशीकरण आदि विद्या में रुचि रखी तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से आपकी कुछ आदतें बुरी हैं। धीरे-धीरे सोच-समझ कर बोलने की आदत से बुद्धिमानी का प्रतीक बनेंगी। आप चलते-चलते या काम करते-करते बातें करना पसंद करती हैं। अकारण कंजूसी बरतना प्रतिष्ठा के प्रतिकूल है। संतान सुख में बाधा की आशंका है। चमड़ी का रोग या पेट में खराबी रहेगी। जादू-टोना विद्या में रुचि रखने से धन-परिवार की हानि होगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. अंडा या अंडे बनी चीजें न खावें।
2. शराब-मछली का सेवन न करें।

उपाय :

1. धर्म-कर्म करें।
2. घर आये मेहमानों की सेवा जरूर करें।

गुरु

आपकी जन्मकुंडली में वृहस्पति ग्यारहवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपको पिता/ससुर का सहयोग प्राप्त होगा। भाई आपके मददगार हो सकते हैं और उनसे लाभ भी होगा। कारोबार में भाई का साथ भाग्य जगाता है। आपके जीवन में 16 वर्ष से 28 वर्ष तक आपका भाग्य खूब साथ देगा। आपके भाग्य से ससुराल वालों को बहुत लाभ होगा आपका धन-संपदा प्राप्त होगी। आप गरीबों की मदद करेंगी तथा धर्म में विश्वास रखेंगी, तो आपका भला होगा। पिता/ससुर की उम्र तक आपकी हालत अच्छी रहेगी। आपको लाभ तो होगा परंतु आप कर्जदारी में भी रहेंगी। सरकारी कामों से संबंधित कमाये धन में बहुत बरकत होगी। आपके जीवन में आमदनी के और भी कई रास्ते हो सकते हैं। आप दूसरों की मददगार होंगी आप अपनी आमदनी का अपव्यय भी कर सकती हैं या आप अपने धन को संभाल कर नहीं रख सकेंगी। आपकी दोस्ती से दूसरों को लाभ मिलेगा। आप अपने भाई-बंधुओं, दोस्तों के साथ अच्छा व्यवहार रखेंगी। आप अपनी किस्मत पर भरोसा नही करेंगी। आपकी मौत शान और सम्मान से होगी।

यदि आपने पूजा स्थान घर में रखा, चाल-चलन खराब किया, घर में या घर के पास सूखा पीपल का वृक्ष हुआ तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से पिता/ससुर की मृत्यु के बाद कोई सहायता नहीं करेगा। आप परिवार के साथ रह कर सुखी परंतु अकेले रहने में दुःखी रहेंगी। आप की आखों की नज़र कमजोर हो सकती है। बुढ़ापे में आपकी किस्मत ढीली हो जाएगी। परिवार कितना बड़ा हो मगर कफन पराया मिले ऐसा शक है। आप शराब बीयर आदि न पीएं वरना आपके पास धन नहीं टिकेगा। पिता/ससुर की मौत के बाद आपके भाग्य पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. अण्डे न खावें।
2. पूजा स्थान घर में न रखें। धर्म मंदिर में पूजा करें।

उपाय :

1. पीला रुमाल पास रखें।
2. लावारिस लाश को कफन दान दें।

शुक्र

आपकी जन्मकुंडली में शुक्र बारहवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपकी ज्योतिष, गुप्त विद्याओं में रुचि रहेगी। आप अपने परिवार का पोषण करेंगी। राज्य पक्ष से अच्छा लाभ मिलेगा। आप हर प्रकार से सुखी रहेंगी। पति के माध्यम से जो भी कार्य संपन्न होते हैं वह आपके लिए अच्छा ही होगा। आपके काम के सुनिश्चित परिणाम प्राप्त होंगे। आपके पति आड़े समय में मदद्गार होंगे। आपके जीवन में तरक्की की बागडोर आपके पति के हाथ में होगी। आप पति की इज्जत करेंगी इसका अच्छा फल मिलेगा। विवाह के बाद काफी धन मिलेगा। पति का पूरा सुख मिलेगा। आप सदैव ही दूसरों की सेवा हेतु तत्पर रहेंगी। आप जवानी में अपना समय ऐशो आराम में बिताएंगी। आपके मन में वहम समाया हुआ रहेगा। आप चित्रकला प्रिय अथवा गायन प्रिय होंगी। आप धर्माचरण करके शुभ प्रभाव को अपनाएंगी। आपको खेती-बाड़ी का लाभ भी मिलेगा। आप बेरहम होंगी फिर भी आपका मान-सम्मान बरकरार रहेगा। आपके पास बहुत जायदाद होगी।

यदि आपने पति से अच्छे संबंध न रखे या पति की सेहत खराब के समय देखभाल न की, परपुरुष से अनैतिक संबंध रखे तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से आप बूढ़े होने पर दूसरे लोगों को अपने जीवन में भुगती बातों को सुना कर समय बर्बाद करेंगी। पति बीमार रहा करेंगे तो आपका भाग्य अच्छा नहीं रहेगा। कन्या संतान का फल आपके जीवन पर बुरा प्रभाव हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें।
2. पति के स्वास्थ्य का विघेष ध्यान रखें।

उपाय :

1. गाय दान करें।
2. देसी घी का दीपक जलावें।

शनि

आपकी जन्मकुंडली के छठे खाने में शनि पड़ा है। इसकी वजह से आपको 28 वर्ष की उम्र में या 28 वर्ष की आयु के बाद विवाह करना लाभदायक होगा अन्यथा मां/सास, पति, संतान पर मंदा असर करेगा। आप खेल में रुचि रखने वाली या प्रसिद्ध खिलाड़ी हो सकती हैं। आपके पति सुखी रहेंगे। आपकी उम्र के 34 से 41 वर्ष के बीच कोई संतान पैदा हो तो आपके

जीवन और घर का कायाकल्प हो सकता है। आपको यात्रा से लाभ मिलेगा। आपका चरित्र उत्तम होगा। आपका परिवार सुखी रहेगा। धन-लक्ष्मी की प्राप्ति होती रहेगी। आप गुप्त कार्य करने की आदी हो सकती हैं। संतान आपके भाग्य के लिए बड़ी ही शुभ और अनुकूल होगी।

यदि आपका घर बंद गली में हुआ, धर्म मंदिर से जूता बदला, पूर्णिमा को नया काम शुरू किया, चमड़े-लोहे का सामान मुफ्त लिया तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से आपका छोटा भाई आप से शत्रुता करे, ऐसी शंका है। परंतु अंत में वह दुश्मनी को भुला कर दोस्त बन जाएगा। शराब-मांस, अंडे का भोजन करने से हानि होने की आशंका है। आप लड़ाई-झगड़े से परेशानी में पड़ सकती हैं। आपके ताऊ, बड़े भाई या मामा को नेत्र रोग या आंखों की हानि हो सकती है। आपके पति और माता/सास को कोई कष्ट होने की आशंका है। शराब-कबाब और पुरुषों के चक्कर में मुकद्दमा/पुलिस या साहूकारी अड़चने आ सकती हैं। आपको गुर्दे या पथरी के रोग का भी भय है। आपकी मृत्यु दुर्घटना से हो सकती है। आपके नौकरी-व्यापार में अचानक बाधाएं आ सकती हैं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. धर्म स्थान में जूता चोरी न हो इसका विघेष ध्यान रखें।
2. लोहे का नया सामान न खरीदें।

उपाय :

1. काले कुत्ते की सेवा करें।
2. सांप को दूध पिलावें।

राहु

आपकी जन्मकुंडली के आठवें खाने में राहु पड़ा है। इसकी वजह से आप को अकस्मात धन का लाभ भी मिलेगा। 28 वर्ष की आयु में भाग्य परिवर्तन के अच्छे योग हैं। आपको कोई मदद करने वाला नहीं होगा मगर आप स्वयं अपने हौसले और परिश्रम से प्रगति करेंगी। आप दिलेर हैं। परिवार में आपकी इज्जत बहुत होगी। आपके काम-काज और रोटी के साधन परिवर्तनशील हैं। आप अपनी मदद स्वयं करेंगी क्योंकि आपका कोई मदद्गार नहीं होगा। आपका सोया हुआ भाग्य जाग जाएगा तो उजड़े खजाने भी भर देगा। ऐशो-आराम के सभी सामान उपलब्ध होंगे।

यदि आपने काले काने, निःसंतान, गंजे या अंगहीन व्यक्ति से झगड़ा किया, दक्षिण दिशा के मुख्य दरवाजे वाले मकान में रिहाईश की, घर में रसोई दक्षिण दिशा में रखी, तो आपका राहु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश राहु मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे असर से इसकी वजह से आपकी मृत्यु दुर्घटना से संभव है। जन्म के आठवें माह के बाद ही शरीर कष्ट प्रारंभ हो सकता है। आपको धन के झगड़े में फिजूल नुकसान हो सकता है। आपको बेबसी रोग

से कष्ट की आशंका है। पेट बड़ा या पेट में कीड़े की शिकायत भी हो सकती है। आपके जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। बेईमानी से कमाये धन से आपको आठ गुना हानि हो, ऐसी आशंका है। अच्छे खानदान में जन्म लेकर भी काफिर बनेंगी या बुरी सोहबत से बदनामी मिलेगी। कई बार नीच कर्म भी करना पड़ सकता है। आप बेहाल रहेंगी। अचानक धन की हानि, बीमार और दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका है। आपकी अकस्मात् मृत्यु संभव है। आपके पिता/ससुर के लिए अशुभ तथा जद्दी मकान में भी क्षति के योग हैं। यात्रा में भी कोई क्षति की आशंका बनती है। कान, टांग और रीढ़ की हड्डी, पांव आदि पर बुरा असर पड़ता है। बिजली, जंगल और पुलिस विभाग की नौकरी से हानि होगी। आप लोगों का भला करेंगी, लेकिन बुराई पायेंगी। बुरे कामों के कारण सजा सुनने से पहले या सजा पाने के बाद फरार होंगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. दक्षिण की दीवार में रसोई न रखें।
2. दक्षिण दिशा के द्वार वाले मकान में रिहाईश न करें।

उपाय :

1. चांदी का चौरस टुकड़ा पास रखें।
2. चौरस सिक्के के पीस जल प्रवाह करें।

केतु

आपकी जन्मकुंडली के दूसरे खाने में केतु पड़ा है। इसकी वजह से आप छोटी उम्र में कमाना सीखेंगी, सरकार से वजीफा या धन लाभ मिलेगा, कमीशन एजेंट का कार्य या खजांची का कार्य भी लाभदायक रहेगा। आप अच्छी नौकरी-व्यापार करेंगी। आपको अपने व्यवसाय के सिलसिले में बार-बार यात्रा करना लाभदायक रहेगा। आप स्थल की बहुत यात्रा करेंगी। आप बड़ी संपदा की मालकिन बनेंगी आपका धन अच्छे कर्मों में खर्च होगा। युवावस्था के पश्चात् जीवन सुख से बीतेगा। आपको पिता/ससुर की संपत्ति मिलेगी। आपकी लाखों-करोड़ों की आई-चलाई मगर जितना दलाल को धन मिलता है, उतना ही धन आपको मिलेगा। आप अपनी कमाई से अपना जीवन निर्वाह करेंगी। जीवन खुशहाल रहेगा। लाखों की धन-जायदाद सुरक्षित रहेगी। आमदनी ठीक होती रहेगी। आप अपने भाग्य पर संतुष्ट रहेंगी। आपको भाग्य का शुभ फल प्राप्त होगा। आपको अच्छा गृहस्थ सुख मिलेगा। अपने जीवन में उन्नति करेंगी। आपका पारिवारिक जीवन सुखी रहेगा। आपको अपनी भूमि, भवन का लाभ मिलेगा।

यदि आपने दो विवाह किये, परपुरुष से अनैतिक संबंध रखे, मादक चीजों-द्रव्यों का प्रयोग किया, तंबोला-जुआं आदि खेला तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश केतु मंदा हो गया हो तो केतु के मंदे असर से अगर आपका चाल-चलन खराब हुआ तो बुढ़ापा दुःखमयी व्यतीत होगा या संतान सुख न मिलेगा। जुए-तंबोला के काम में हानि होगी। शराब-बीयर पीना हानिकारक है। तबदीली शर्त होगी, तरक्की की कोई शर्त न होगी। जीवन के

16वें तथा 22वें वर्ष में शारीरिक कष्ट की आशंका है। जीवन में उतार-चढ़ाव आता रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें।
2. नकली सोना न पहनें।

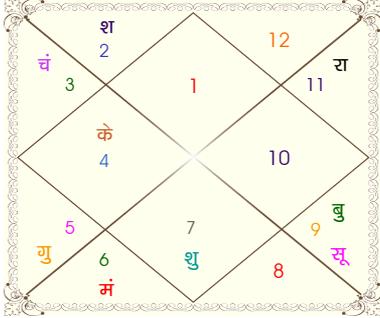
उपाय :

1. कन्याओं की सेवा करें।
2. पति की सेवा करें।

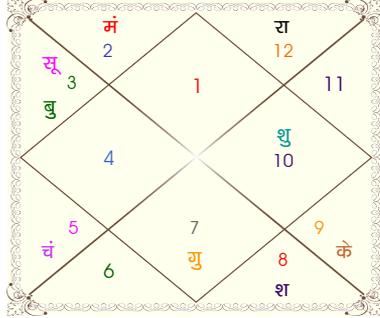


लाल किताब - वर्ष कुंडली

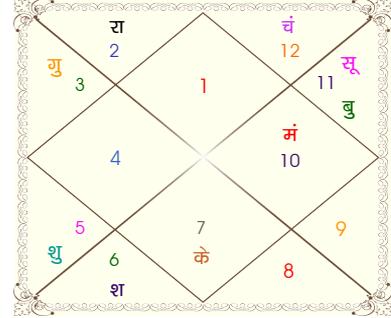
2026



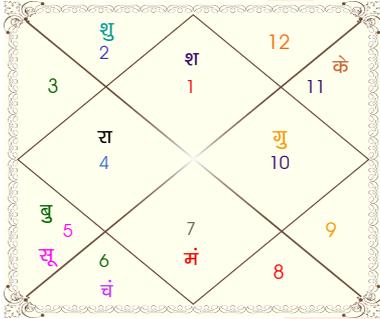
2027



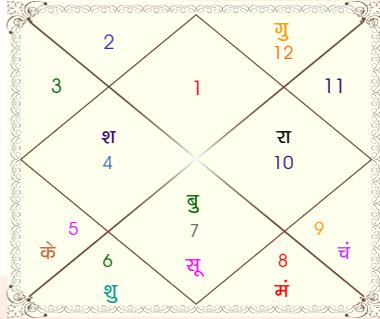
2028



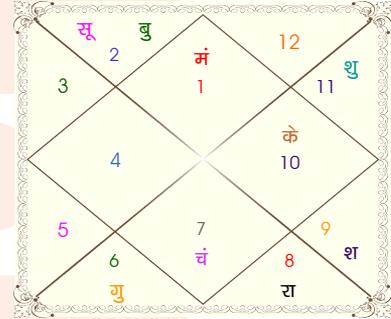
2029



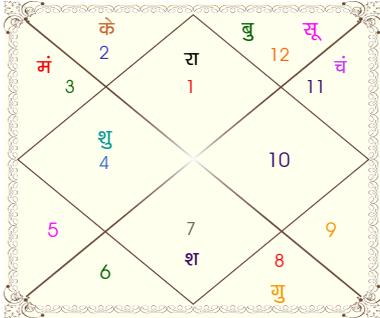
20230



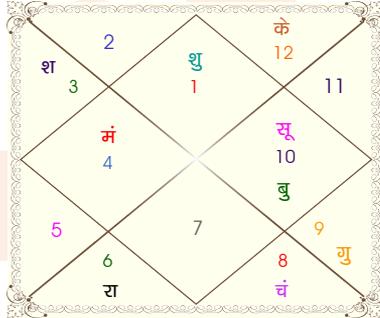
2031



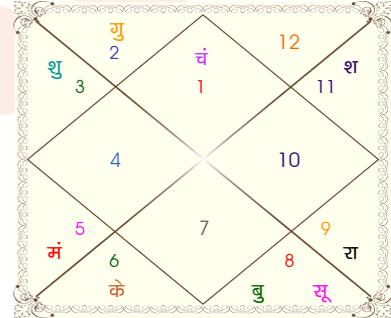
2032



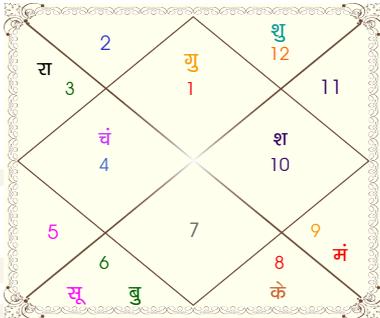
2033



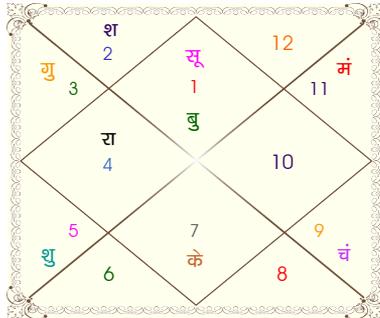
2034



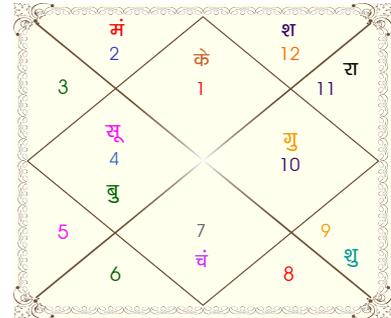
2035



2036



2037



लाल किताब वर्षफल 2026-2027

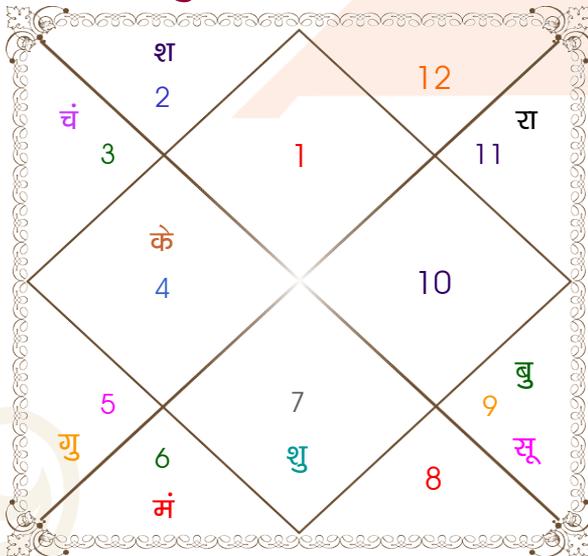
वर्तमान आयु - 39
वर्तमान दशा - शनि

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	नेक
चंद्र	--	--	--	नेक
मंगल	--	हाँ	--	नेक
बुध	--	--	--	मन्दा
गुरु	--	--	--	नेक
शुक्र	--	--	--	नेक
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	--	--	मन्दा
केतु	--	हाँ	हाँ	मन्दा

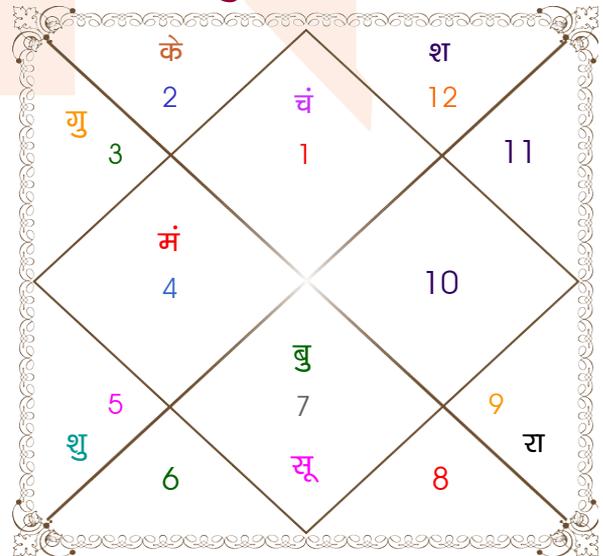
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हाँ	--	--	--	--	--	--	हाँ	--	--	--	हाँ

वर्ष कुंडली 2026 - 2027



वर्ष चन्द्र कुंडली 2026 - 2027



श्री चंचला ज्योतिष एवं अनुष्ठान केंद्र
बी-350 गिरिराज रतन कॉलोनी उज्जैन मध्य प्रदेश
+919340201506, 7024210124
कार्तिक जोशी Panditkartikj@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2026-2027

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 9 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष उत्तम वाहन का सुख मिलेगा, तीर्थ यात्रा का लाभ व शुभ फल मिलेगा। समाज और परिवार के लिये आपके मन में त्याग और परोपकार की भावनाएं भी रहेगी, परिवार/ससुराल के व्यक्तियों के पालन का अतिरिक्त भार आप पर हो सकता है। स्वपराक्रम से किस्मत का सितारा और भी बुलंद होगा।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बिना मेहनत का माल, दान/गिफ्ट आदि न लें।
2. बहुत नर्म या बहुत गर्म स्वभाव न रखें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 3 शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका चरित्र सुधरेगा और पराक्रम बढ़ेगा, चोरी से बचाव होगा। विद्या अच्छी रहेगी, 3, 6, 8, 12वां मास अधिक लाभदायक होगा, कुदरत खुद आपकी किस्मत बनाने में सहायक होगी, गरीबों से आपकी हमदर्दी रहेगी, किसी अंतर्राष्ट्रीय खेल में आपकी रुचि रहेगी या खुद भी उस खेल में हिस्सा ले सकती हैं।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बहन-भाई/देवरानी-जेठानी, ननद से झगड़ा न करें।
2. यतीमों के लिये मिला सामान हड़प न करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 6 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष परिवार में खुशी का योग बनेगा, छोटे भाई/ननद-देवरानी की मदद करेंगी, शत्रुओं में कमी होगी या शत्रु दबे रहेंगे, साहूकारी (लिखा-पढ़ी करके ब्याज पर रुपया-पैसा देना) करने से लाभ होगा, प्रसन्नचित्त रहेंगी और दूसरों को भी प्रसन्न रखेंगी। यदि आप साध्वी या सन्यासिन की तरह जीवन व्यतीत करेंगी तो जनता की सेवा करेंगी। परिवार व समाज में सम्मान बढ़ेगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. भाई से झगड़ा न करें।
2. पुत्र का जन्म हो तो जन्म पर मीठा या मिठाई न बांटे यदि मिठाई बांटनी हो तो मिठाई के

साथ नमकीन चीज जरूर दें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 9 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पिता/ससुर से दूरी या पिता/ससुर की चिंता रहेगी, पिता/ससुर का धन नाश हो सकता है। आपको जुबान से सम्बन्धित बीमारी हो ऐसी आशंका है। गृहस्थ और संतान के सम्बन्ध में कुछ परेशानी, हर काम में कदम-कदम पर आपको विचार करके चलना चाहिये। यात्रा से हानि का भय है, सतर्क रहें।

बुध की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. गऊ घ्रास अर्थात् गाय-कुत्ते- कौवे को भोजन का हिस्सा दें।
2. लोहे की गोली पर लाल रंग करके पास रखें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 5 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष तरक्की हो या मान-सम्मान मिलेगा। वर्ष शुरू होते ही आपकी तरक्की होना शुरू हो जायेगी। इस वर्ष अगर आपके परिवार में लड़का पैदा होता है तो परिवार की अथाह तरक्की होना शुरू हो जाएगी। पिता-ससुर की मदद शक्की हो सकती है। वंश वृद्धि/संतान सुख प्राप्त होगा। लेखन द्वारा लाभ मिलेगा।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. नाव के कामों से सम्बन्ध न रखें/ नाव में यात्रा न करें।
2. नास्तिक न बनें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष मकान-वाहन का सुख मिलेगा। काले रंग के पुरुष का साथ आपका भाग्य को जगाने और आपकी तरक्की में सहायक सिद्ध हो सकता है। विवाह से संबंधित चीजों के कारोबार से लाभ मिले। पिता/ससुर से दूर जाना पड़ सकता है। आपके पति और आपकी माता में मां-पुत्र जैसा संबंध रहेगा। पति धैर्यवान और सेवा करने वाले होंगे।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. सफेद गाय की पालना या सेवा न करें।
2. बिल्ली की जेर चमड़े के पर्स में न रखें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष ईश्वर भक्ति में आपका विश्वास बढ़ेगा। पिता/ससुराल से धन-संपत्ति का लाभ होगा। कोयला, चमड़ा, मशीनरी के कामों से लाभ होगा। मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। अक्ल की बारीकी से उलझनों को सुलझा लेंगे। बने बनाये मकान का लाभ मिल सकता है। धन की कमी नहीं रहेगी।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. सिर पर या माथे पर सरसों का तेल न लगावें।
2. सांपों को न मारें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 11 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पिता/ससुर की चिंता रहेगी, पिता/ससुर से दूरी या जुदाई हो सकती है। समय कुछ गरीबी में कट सकता है। मौके के ऑफिसर से झगड़ा करना आपको नुकसान पहुंचा सकता है। लॉकर/दराज खाली न रखें उनमें कुछ धन आदि जरूर रखें। परिवार पर गोली चलने का भय, नीला नग-नीलम और नीला-काला कपड़ा या रंग पहनना हानिकारक है।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. सिर पर चोटी रखें या सिर सफेद-शरबती टोपी पहनें या पगड़ी बांधें।
2. 4 किलो सिक्का (औफदप टुकड़ा और) चौरस, 4 नारियल सूखे (बजने वाले) जल प्रवाह करें।
3. सिगरेट पीती हैं तो चांदी की पाईप में लगा कर पियें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 4 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष रीड़ की हड्डी या जोड़ों का दर्द, शुगर/पेशाब का रोग हो सकता है। माता/सास की चिंता हो सकती है या मात को कष्ट हो सकता है। हृदय रोग के प्रति आलस्य न बरतें। पुत्र संतान के सुख की चिंता रहेगी। कुल पुरोहित से संबंध ठीक रखें तो पुत्र की चिंता दूर होगी, कुत्ते के काटने का भय रहेगा। यात्रा में रुकावट आयेगी या यात्रा में हानि हो सकती है।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. चने की दाल और केसर धर्म स्थान में दें।
2. कुल पुरोहित को धन वस्त्र आदि देकर आशीर्वाद प्राप्त करें। अगर कुल पुरोहित न हो तो 4 किलो चने की दाल महीने दो महीने में धर्म स्थान में दें

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- 43 दिन गाये, कुत्ते और कौवे को भोजन का हिस्सा दें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



लाल किताब वर्षफल 2027-2028

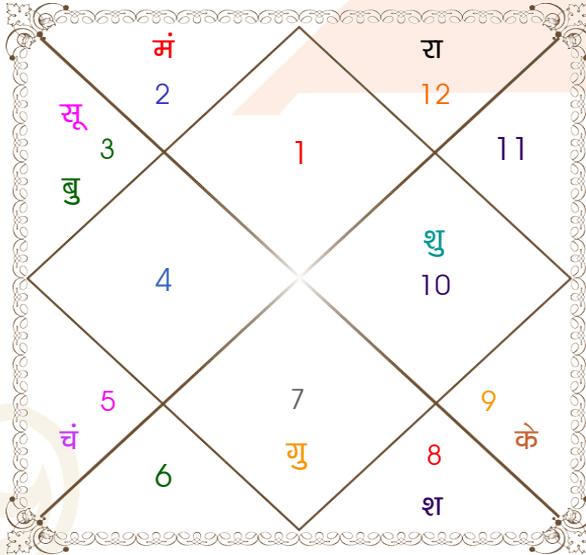
वर्तमान आयु - 40
वर्तमान दशा - शनि

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	नेक
चंद्र	--	--	--	नेक
मंगल	--	हाँ	--	नेक
बुध	--	--	--	मन्दा
गुरु	--	--	--	मन्दा
शुक्र	--	--	--	नेक
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	--	--	नेक
केतु	--	--	--	नेक

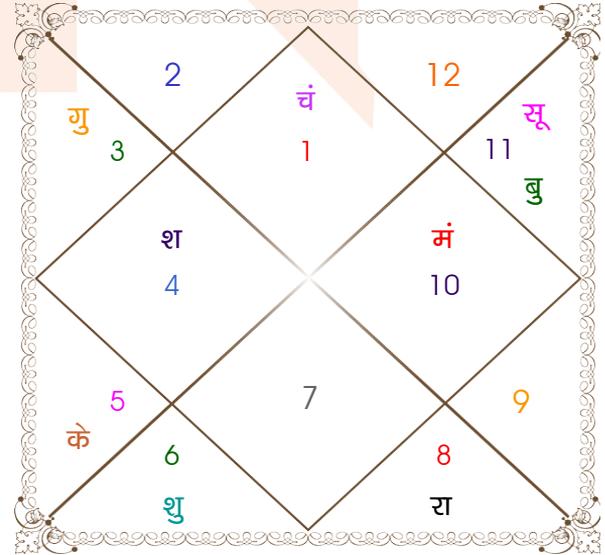
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हाँ	--	--	हाँ	--	--	--	--	--	--	--	--

वर्ष कुंडली 2027 - 2028



वर्ष चन्द्र कुंडली 2027 - 2028



श्री चंचला ज्योतिष एवं अनुष्ठान केंद्र
बी-350 गिरिराज रतन कॉलोनी उज्जैन मध्य प्रदेश
+919340201506, 7024210124
कार्तिक जोशी Panditkartikj@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2027-2028

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 3 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आप दूसरों की सहायता करेंगी और बहादुरी के कार्य करेंगे, उत्साह और फुर्तीलापन रहेगा, आपको लड़ाई-झगड़ों से दूर रहना चाहिए, गणित और ज्योतिष विद्या में रुचि रहेगी। सरकारी विभाग से लाभ, मुकदमे में जीत होगी, भाई-बंधुओं से प्यार बढ़ेगा। भाई-देवर द्वारा लाभ मिल सकता है।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बुरे कामों से दूर रहें।
2. चोरी न करें, चोरी के माल से दूर रहें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 5 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके परिवार वालों को सोने-चांदी का लाभ होगा, विद्या का लाभ होगा। आप दूसरों के कष्ट अपने पर झेलेंगे, दूसरों पर परोपकार करेंगी, लड़ाई-झगड़े में आप जिसका भी साथ देंगी उस व्यक्ति की जीत होगी। आपकी बहुत प्रसिद्धि होगी और समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. हर कार्य में किसी की सलाह जरूर लेवें।
2. पाप के कामों में अपना हस्तोप न करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष आपके परिवार में अन्न-धन की कोई कमी नहीं रहेगी। आप भाई-बंधुओं के दुःख में हर समय साथ देंगी, आप नेक और इरादे की पक्की रहेंगी जो बात ठान ली वह पूरी कर दिखायेंगी। अगर बड़ा भाई/जेठ जीवित हो तो उससे अधिक धन, मान आपको मिलेगा। दूसरे लोगों से भी लाभ मिलेगा।

मंगल की शुभता हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. लड़ाई-झगड़ों से दूर रहें।
2. घर आये मेहमानों की सेवा करें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 3 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष बहन-लड़की, ननद, जेठानी-देवरानी से धन लेकर कोई कार्य किया तो कार्य में हानि हो सकती है। आपके भाग्योदय में रूकावट आ सकती है या आप कर्जदार हो सकती हैं। जबान के रोग होने का भय है। भाई-बहन/देवर-जेठ की चिंता उनसे झगड़ा करने पर हानि हो सकती है। नाड़ियों या चमड़ी रोग का भय रहेगा।

बुध की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. दूर्गा पूजन या कन्याओं (9 वर्ष से छोटी लड़कियों) की सेवा करें।
2. तोता पाले या तोते को चूरी खिलायें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 7 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष घर में मंदिर बना कर पूजा करना धन-परिवार के लिये अशुभ होगा। घर में मंदिर हानिकारक मगर दीवार पर तस्वीरें लगा कर पूजा-पाठ कर सकती हैं। घूमने-फिरने वाले साधू की संगत से भाग्य खराब हो जाएगा और जीवन में उतार-चढ़ाव देखना पड़ेगा। मामा को संतान की चिंता रहेगी। बुरे लोगों की संगति से बचे।

गुरु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. शुद्ध सोना और रत्तियां पीले कपड़े में बांध कर रखें।
2. आप विवाहित हैं तो सुसराल से कुछ न कुछ सामान लेते रहें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 10 में शुभ हैं जिसकी वजह से आपकी इस वर्ष कामशक्ति की अधिकता होगी। पति के साथ रहते कभी कोई दुर्घटना नहीं होगी और आपको किसी प्रकार का दुःख नहीं झेलना पड़ेगा। पति का स्वास्थ्य लगभग ठीक रहेगा। आपमें लोभ और शक करने की भावना बढ़ सकती है। दस्तकारी के कामों से अधिक लाभ होगा।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. शराब-बीयर आदि न पियें, मछली न खावें।
2. आशिक मिजाज न बनें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 8 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका मनमौजी स्वभाव रहेगा। एक जगह बैठ कर करने वाले कामों से लाभ होगा। भाग-दौड़ के काम न करें। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। पुत्र संतान की खुशी मिले, स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। आपके नाम पर मकान नहीं बना तो आपकी आयु लंबी होगी।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. अपने नाम पर मकान न खरीदें।
2. सांप न मारें।
3. मकान के मुख्य द्वार की दहलीज की पूजा करें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 12 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका धन शुभ कामों या विवाह आदि पर खर्च हो सकता है। यदि आप पर ऋण का बोझ हो जाये तो वह उतर जायेगा, शत्रु दबे रहेंगे। अध्यात्म विचार आपको शायद ही लाभ देंगे। अपने बलबुते पर सभी कार्य सिद्ध कर लेंगी। रात को सुख की नींद मिलेगी और सुख के साधन बढ़ेंगे।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. रसोई में बाहर बैठ कर खाना खावें।
2. घर के आंगन में धुंआ न करें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 9 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष प्रगति मिले ऐसी संभावना है। तबदीली का चांस कम है। यात्रा से लाभ होगा। प्रदेश में भी कुछ समय व्यतीत हो सकता है। अपनी संतान के साथ या उसकी सलाह से कोई काम करेंगी तो आपको अधिक लाभ होगा। आप जिसको पुत्र पैदा होने का आशीर्वाद देंगे उसके घर पुत्र पैदा होगा।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चोर-डाकू का साथ न रखें।
2. कुत्ते को चोट न मारे।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

• कन्याओं को हलवा/बिस्कुट देकर आशीर्वाद लेवे या मूंग रात को भिगो कर सुबह पक्षियों को डालें ।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)



लाल किताब के उपाय

लाल किताब के उपाय कब और कैसे करें !

1. उपाय सूर्य निकलने के बाद सूर्य छिपने तक दिन के समय करें, रात के समय उपाय करना कई बार अशुभ फल दे सकता है। केवल चन्द्र ग्रहण का उपाय रात को किया जा सकता है।
2. उपाय शुरू करने के लिए किसी खास दिन सोमवार या मंगलवार आदि, सक्रांति, अमावस्या या पूर्णिमा आदि का कोई विचार नहीं होगा।
3. आप का कोई खून का संबंधी रिश्तेदार जैसे भाई-बहन, माता-पिता, दादा-दादी, पुत्र-पुत्री आदि में से उपाय कर सकता है जो फलदाई होगा।
4. एक दिन में केवल एक ही उपाय करें, एक दिन में दो उपाय करने से शुभ फल नहीं मिलता या किया हुआ उपाय निष्फल हो सकता है।
5. जो परहेज बताए जाये जैसे मांस-मछली न खावें, मदिरा का सेवन न करें, चाल-चलन ठीक रखें, झूठ न बोलें, जूठन न खावें न खिलावें, नियत में खोट न रखें, परस्त्री-परपुरुष से संबंध न करें, आदि का विशेष ध्यान रखें।
6. जो उपाय जिस समय के लिये लिखा है उसी समय तक करें, आगे यह उपाय बंद कर दें।
7. यदि किसी कारण उपाय बीच में बंद करना पड़ जाय तो जिस दिन उपाय बन्द करना है उससे एक दिन पहले थोड़े से चावल दूध से धोकर सफेद कपड़े में बांध कर पास रख लें और जब दुवारा उपाय शुरू करना हो वह चावल धर्म स्थान में या चलते पानी में या किसी बाग-बगीचे आदि में गिरा कर उपाय फिर शुरू कर दें। ऐसा करने से उपाय अधूरा नहीं माना जाएगा और पूरा फल मिलेगा।
8. हर उपाय 43 दिन या 43 सप्ताह या 43 मास या 43 वर्ष तक करना होता है, उपाय चलते समय बीच में टूट जाए चाहे 39वां दिन क्यों न हो सब निष्फल हो सकता है या शुभ फल में कमी रह सकती है।
9. जन्म कुण्डली में अशुभ ग्रहों का वर्षफल कुण्डली में उपाय अपने जन्मदिन से लेकर 40-43 दिन के भीतर ही करें।
10. घर में कोई सूतक (बच्चा जन्म हो) या पातक (कोई मर जाय) हो जाय तो 40 दिन उपाय नहीं करने चाहिये।
11. बुजुर्गों के रीति-रिवाजों को न तोड़ें और संस्कार पूरे करें।